>

Title: Need to accord recognition to physicians who have ten years experience in the field.

श्री अर्जुन राम मेघवाल : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से एक अति महत्वपूर्ण लोक महत्व का मुद्दा जो दस साल के अनुभवी चिकित्सकों को उनके अनुभव के आधार पर मान्यता देने संबंधी मुद्दा सदन में उठाना चाहता हूं। ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत से ऐसे रिटायर्ड कंपाउंडर हैं या आर.एम.पी. की डिग्री अभी बंद कर दी है, लेकिन ऐसे बहुत से आर.एम.पी. टाइप लोग है, जो वर्षों से चिकित्सा के क्षेत्र में लोगों की सेवा कर रहे हैं, लेकिन उन्हें मान्यता नहीं दी जा रही है। सर्वोच्च सदन लोक सभा और राज्य सभा की पिटीशन कमेटियों ने भी दस साल के अनुभवी चिकित्सकों को उनके अनुभव के आधार पर मान्यता देने हेतु केन्द्र सरकार से सिफारिश की है।

MR. CHAIRMAN : Your subject is "Need to accord recognition to Physicians who have 10 years experience in the field". आखिर उसकी डिग्री क्या होगी? कौन से फ़िजीशन्स होंगे?

श्री अर्जुन राम मेघवाल : यही हम देख रहे हैं, डिग्री किस तरह की होगी। सरकार इसका अध्ययन क्यों नहीं करती है? ये क्या करते हैं, क्या नहीं करते हैं, सेवा दे रहे हैं या नहीं दे रहे हैं, समिति बना कर इसका एक अध्ययन कर लें। इस देश में मेडिकल कॉलेजों से प्रतिवर्ष निकलने वाले 46 हजार डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्रों की ओर रूख नहीं करते हैं। हमारे राजस्थान में पीएससी, सीएससी बंद हैं क्योंकि वहां पर डॉक्टरों की हड़ताल हैं। मैं ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देने वाले लोगों की बात कर रहा हूँ, इनको मान्यता देनी है या नहीं देनी है, यह इश्यू नहीं है। इश्यू यह है कि ये काम तो कर ही रहे हैं, इनको कोई चेक भी नहीं कर रहा है, इन पर कोई प्रतिबंध भी नहीं है। कुछ तो झोला छाप होंगे। उन झोला छापों को हटाइए। कुछ ऐसे होंगे जो ठीक काम कर रहे होंगे। आप इसका वर्गीकरण करें। मैं इससे संबंधित दूसरा इश्यू जो इससे ही संबंधित है यह कहना चाहता हूँ. कि राजस्थान में डाक्टर्स की हड़ताल है, मरीज मर रहे हैं इनकी सेवाएं इनमें भी ली जा सकती हैं। सरकार को संवाद बंद नहीं करना चाहिए। डॉक्टरों से वार्ता कर ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषकर चिकित्सा व्यवस्था चरमरा गई। इसका हल निकालना चाहिए (व्यवधान)*

सभापति महोदय : मेघवाल जी, एक साथ दो विषय नहीं जा सकते हैं।